विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय -संस्कृत दिनांक 17-4-2021

वर्ग अष्टम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

दातृ शब्द के रूप - (संस्कृत)

दातृ शब्द के रूप

दातृ शब्द (दाता / दानी): ऋकारांत पुलिंग संज्ञा, सभी ऋकारांत पुलिंग संज्ञापदों के रूप इसी प्रकार बनाते है जैसे - धातृ, ज्ञातृ, नेतृ , जेतृ, होतृ, श्रोतृ, कर्तृ, हर्तृ, भर्तृ, वक्तृ, सवितृ , कवयितृ आदि।

दातृ के रूप -

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	वहुवचन
प्रथमा	दाता	दातारौ	दातार:
द्वितीया	दातारम्	दातारौ	दातॄन
तृतीया	दात्रा	दातृभ्याम्	दातृभि:
चतुर्थी	दात्रे	दातृभ्याम्	दातृभ्य:
पंचमी	दातु:	दातृभ्याम्	दातृभ्य:
षष्ठी	दातु:	दात्रोः	दातॄणाम्
सप्तमी	दातरि	दात्रोः	दातृषु
संबोधन	हे दात: !	हे दातारौ !	हे दातार: !

कुछ अन्य महत्वपूर्ण शब्द रूप -

धातृ, ज्ञातृ, नेतृ , जेतृ, होतृ, श्रोतृ, कर्तृ , हर्तृ , भर्तृ , वक्तृ , सवितृ , कवयितृ आदि।

सभी बच्चे! अपने नोट कॉपी में सभी शब्द रूपों को लिखेंगे और याद करेंगे।